2010 - 2011

कक्षा 8

हिन्दी

अप्रेल / मई

भगवान के डाकिए

- डाकिया, इंटरनेट के वर्ल्ड वाइड वेब तथा पक्षी और बादल इन तीनों के विषय में कल्पना से लेख तैयार कर सकेंगे ।

टोपी

- परिश्रम का उचित फल न मिलने पर कर्मचारियों की प्रतिक्रिया जान पाएँगे।

व्याकरण

- भाषा और व्याकरण, वर्ण-विचार, संज्ञा - (विकारक तत्व लिंग, वचन, कारक)

पत्र - प्रार्थना पत्र

निबन्ध - समय का सदुपयोग

जुलाई

सुदामा चरित

- आज के युग में मित्रता का प्रभाव जानेंगे।
- सच्चा मित्र कैसा होता है इसकी परख कर सकेंगी।

बस की यात्रा (व्यंग्य)

- हास्य वयंग्य के माध्यम से अपनी यात्रा का वर्णन (प्रस्तुतीकरण)करना सीखेंगे।
- जीवन में हास्य व्यंग्य के महत्त्व को समझ सकेंगे।

कबीर की साखियाँ

- कबीर की साखियों से नीतिपूर्ण बातों का अध्ययन करेंगे।
- मनुष्य समान रुप से रहते हुए भी विभिन्न कैसे हैं? इस बात को जानेंगे।

जब सिनेमा ने बोलना सीखा

- छात्राएँ मूक, डब और बोलती हुई फिल्में जान पाएँगी ।
- उनमें अन्तर महसूस कर सकेंगी।

व्याकरण - अपठित गद्यांश

- गद्यात्मक अभिव्यक्ति का विकास

निबंध - किसी यात्रा के खट्टे मीठे अनुभवों का वर्णन ,सिनेमा केवल मनोरंजन या ज्ञानवर्धक

अगस्त

व्याकरण - सर्वनाम भेद सहित

सन्धि - स्वर तथा व्यंजन सन्धि

पत्र - कार्यालयी पत्र

सितम्बर

लाख की चूड़ियाँ (कहानी)

- मशीनी युग से हो रहे परिवर्तन जान पाएँगे।
- विनिमय की प्रचलित पद्धति को जान सकेंगे।
- बदलाव के पक्ष व विपक्ष में चर्चा करेंगे।

अकबरी लोटा

- छात्राएँ सीधी बात कहने की बजाय रोचक मुहावरों , उदाहरणों आदि के द्वारा कहकर अपनी बात को और अधिक रोचक बना सकेंगी।
- प्राचीन कथाओं के प्रति उत्साहित होंगी।

व्याकरण - समास

- भेद सहित वर्णन।

निबन्ध - मशीनी युग के बढ़ते चरण

अक्तूबर

दीवानों की हस्ती (पद्य)

- जीवन में मस्ती होनी चाहिए, लेकिन कब मस्ती हानिकारक हो सकती है।
- सहपाठियों से यह सीखेंगे कि मस्ती के लाभ तथा हानि क्या हो सकते हैं?

चिट्ठियों की अनूठी दुनिया

- पत्र लेखन कला के प्रति उत्साहित होंगे।
- पत्र जैसा संताष फोन या एस. एम. एस नहीं दे सकते, इस तथ्य को छात्राएँ महसूस करेंगी।

निबंध - पत्र की महत्तता या एस.एम.एस का संसार

नवम्बर

जहाँ पहिया है

- छात्राओं में स्वतन्त्रता और आत्म विश्वास का भाव जगेगा तथा छात्राएँ स्वयं को भली भाँति से समाज में प्रस्तुत कर सकेंगी।

बाज और साँप

- प्राचीन कथाएँ जानेंगी तथा कथा लेखन कौशल को महसूस करेंगी।

व्याकरण - विशेषण भेद सहित

पत्र

- जीवन में सफलता पाने के लिए आत्मविश्वास की भागीदारी का वर्णन करते हुए छोटे भाई को पत्र लिखिए।

निबन्ध - प्राचीन कथाओं का महत्त्व

दिसम्बर

ध्वनि (पद्य)

- ऋतु परिर्वतन का जीवन पर होने वाला प्रभाव।
- वसन्त ऋतु में आने वाले त्योहारों के विषय में जानेंगे। कविता पाठ करना सीखेंगे।

सूरदास के पद

- श्री कृष्ण की प्राचीन कथाओं का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

क्या निराश हुआ जाए (निबंध)

- अपने भारत (सपनों का भारत) का रेखा चित्र बना सकेंगे।
- भ्रष्टाचार के बढ़ते चरण के बावजू द भी समाज में कायम अच्छाइयों को पहचानेंगे।

व्याकरण - काल भेद सहित

निबन्ध - बसन्त ऋतु का प्राकृतिक चित्रण

जनवरी

कामचोर

- छात्राएँ इस बात से अवगत होंगी कि सामान्य काम या निजी काम अपनी क्षमता के अनुसार क्यों अनिवार्य है?

व्याकरण - अव्यय (अविकारी : क्रिया विशेषण, सबंधबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक)

- उपसर्ग और प्रत्यय

पत्र - व्यक्तिगत पत्र

- समाज में फैली हुई बुराई से अवगत कराते हुए अपने छोटे भाई को पत्र।

फरवरी

यह सबसे कठिन समय नहीं

- कविता पाठ करना व लिखना सीखेंगे।
- कविता के प्रति रुचि उत्पन्न होगी।

निबन्ध - कर्म की महत्तता

कक्षा 8

संस्कृत

अप्रैल / मई

सुवचनानि (पाठ - 5)

- संस्कृत श्लोकों का लय तथा प्रवाह के साथ पठन करना सीखना।
- श्लोकों के माध्यम से शिक्षाप्रद बातों से परिचित होना।
- अव्यय शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग करना सीखना।

बाल - श्रमिकाः (पाठ - 6)

- संस्कृत के नये शब्दों से परिचित होना।
- विशेष्य पदों के साथ विशेषण की उचित विभक्ति का प्रयोग करना सीखना।
- श्रमिकों का सम्मान करना सीखना व बाल - श्रमिकों को रोकने का प्रयास करना।

संख्यावाची विशषण (पाठ - 14)

- तीनों लिंगों के आधार पर विशेष्य पदों के साथ संख्यावाची विशेषण शब्दों की रचना करना सीखना।
- १ से ५० तक के अंकों को संस्कृत में लिखने की योग्यता प्राप्त करना।

व्याकरण कार्य

शब्द रूप : अकारान्त पुं + नपुंसकलिंग शब्द , आकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों की आवृत्ति, मति, कवि, नदी के शब्द रूप, तत् सर्वनाम शब्द तीनों लिंगों में।

धातु रूप : पठ्, भू, गम्, दृश्, अस्, कृ आदि धातुएँ पाँचों लकारों में।

जुलाई

ईश्वरः यत्करोति शोभनं करोति (पाठ - 9)

- विशेषण - विशेष्य शब्दों का प्रयोग सीखना।
- क्रियाओं को निर्देशानुसार परिवर्तित करना।
- अव्यय शब्दों से वाक्य रचना सीखना।

वरं बुद्धिर्न सा विद्या (पाठ - 10)

- नये शब्दों से परिचित होना।
- विलोम शब्दों का मिलान करना सीखना।
- 'पंचतन्त्र' पुस्तक से शिक्षाप्रद कथाएँ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना।

अस्माकं विद्यालय (पाठ - 1)

- संस्कृत में संवाद करना सीखना।
- नये शब्दों का ज्ञान प्राप्त करना।
- कर्त्ता के आधार पर क्रिया - रचना सीखना।

व्याकरण कार्य

शब्द रूप : पितृ, मातृ, 'किम्' सर्वनाम तीनों लिंगों में।

धातु रूप : 'नृत्' धातु पाँचों लकारों में।

अगस्त

संवाद (पाठ - 2)

- एक शब्दों में प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखना।
- निर्देशानुसार क्रियाओं के रूपों में परिवर्तन करना।

साहित्य सुधा (पाठ - 7)

- श्लोकों का सही पठन व कंठस्थ करना।
- पर्यायवाची शब्दों का ज्ञान प्राप्त करना।
- श्लोकों से सम्बधित स्वरचित कथा लिखने का प्रयास।

व्याकरण कार्य

शब्द रूप : एतत् सर्वनाम शब्द तीनों लिंगों में।

धातु रूप : 'प्रच्छ' धातु पाँचों लकारों में।

अभ्यास पुस्तिका : 1 से 4 तक

संख्या : 1 से 50 तक

सितम्बर

चन्द्रगुप्तस्य न्यायः (पाठ - 3)

- उपसर्ग व प्रत्ययों का प्रयोग सीखना। राजा चन्द्रगुप्त व चाणक्य के जीवन से परिचित होना।

प्रकृति - शोभा (पाठ - 4)

- ऋतु सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त करना।
- 'प्राकृतिक शोभा' पर संस्कृत में पाँच वाक्य लिखने में सक्षमता प्राप्त करना।
- श्लोकों से सम्बधित स्वरचित कथा लिखने का प्रयास।

व्याकरण कार्य

शब्द रूप : गच्छत्

धातु रूप : सेव् आत्मनेपद् लट् व लृट् में।

अक्तूबर

श्रृगाल - कथा (पाठ - 8)

- नये शब्दों का ज्ञान प्राप्त करना।
- ल्यप् , क्त व क्तवतु प्रत्ययों का प्रयोग सीखना।

व्याकरण कार्य

शब्द रूप : विद्वस्

धातु रूप : 'लभ्' आत्मनेप लट् व लृट् लकारों में।

संख्या : 51 से 75 तक

नवम्बर

नीति श्लोकाः (पाठ - 11)

- नैतिक गुणों का ज्ञान प्राप्त करना।
- श्लोकों को कंठस्थ करके प्रतियोगिता में भाग लेना।

महताम् अपि महान् (पाठ - 12)

- उपपद - विभक्ति प्रयोग सीखना।
- अशुद्ध वाकयों को शुद्ध करना।
- रेखांकित शब्दों के आधार पर प्रश्न निर्माण करना।

व्याकरण कार्य

शब्द रूप : गुणिन्

धातु रूप : याच् आत्मनेपद् लट् व लृट् लकारों में।

प्रत्यय : कत्वा + तुमुन्

दिसम्बर

सन्धि (पाठ - 13)

- सन्धि का अर्थ व भेदों से परिचित होना।
- स्वर सन्धि के भेदों का ज्ञान नियमों के साथ प्राप्त करना।

अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर (पाठ - 15)

- बौद्धिक क्षमता को उभारना। एक शब्द में उत्तर लिखने का प्रयास।

व्याकरण कार्य

शब्द रूप : 'सर्व' सर्वनाम तीनों लिंगों में।

धातु रूप : स्था , क्रुध् पाँचों लकारों में।

संख्या : 76 से 100 तक

जनवरी

वार्तालापः (पाठ - 16)

- वार्तालाप का अर्थ जानना तथा उससे सम्बन्धित नियमों को ध्यान में रखना।

व्याकरण कार्य

शब्द रूप : गुरू

धातु रूप : 'कथ्' पाँचों लकारों में।

फरवरी

अभ्यास पुस्तिका -

अभ्यास - 5, 6,7, 8

व्याकरण - प्रथम सत्र के सभी शब्द रूपों व धातुओं की आवृत्ति।

परियोजना कार्यः

प्रथम सत्र - श्रीमद्भगवतगीता में से कोई दस श्लोकों को सरलार्थ सहित लिखिए।

द्वितीय सत्र - स्वर सन्धि व भेद तथा प्रत्ययों के आधार पर चित्रों सहित विषय को दर्शाने वाले शब्द लिखो।